भा.कृ.अ.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

ICAR-INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE

क्षेत्रीय केन्द्र (खाधान एव उधान), अमरतारा काटेज, शिमला-4

REGIONAL STATION (CEREALS AND HORTICULTURE CROPS) AMARTARA COTTAGE, SHIMLA-171004

Phone No. 0177-2655305,2808766

मि. सं. 7-1/2022-23/ **दिनांक: 25.11.2022**

एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004 के बागवानी फार्म ढांड़ा पर आज दिनांक **25.11.2022** को अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन,डसेरन,भडाडीघाट, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश द्वारा **एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया !** जिसके अंतर्गत शीतोष्ण फलों के पौधों की नर्सरी तैयारी एवं लगाने के लिये वैज्ञानिक तथा तकनीकी जानकारी प्रदान की गई ! इस प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ इस केंद्र के अध्यक्ष, डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक ने डॉ. अरूण कुमार शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक तथा योगेश कुमार, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन की मौजूदगी में किया ! केंद्र के अध्यक्ष, डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक ने किसानों/बागवानों को इस प्रशिक्षण शिविर में पधारने के लिये स्वागत किया तथा इस ऋतु में लगने वाले शीतोष्ण फलों के पौधों की नर्सरी तैयार करने तथा पौधों लगाने की विधि,उनकी कांट-छांट की जानकारी किसानों/बागवानों को दी ! उन्होने इस केंद्र के शीतोषण फलों जैसे सेब, नाशपाती, आखरोट, स्ट्रबेरी, अनार, कीवी, प्लाम, खुमानी, बादाम तथा अन्य गुठलीदार फलों के पौधों को लगाने तथा प्रुनिंग, ट्रेनिंग,कटिंग तथा ग्राफ्तिंग के बारे में बताया ! उन्होंने इस प्रशिक्षण से सबको लाभ उठाने की मांग की । डॉ. अरूण कुमार शुक्ला ने क्यारियां बनाना की विधि, खाद प्रयोग करने की विधि तथा पौधों की ट्रेनिंग की विधी के बारे में किसानों/बागवानों को जानकारी दी!किसान भाईयों को शीतोषण फलों की बिमारियों से रोकथाम के तरीकों/वैज्ञानिक विधि से निपटने के बारे में जानकारी दी ! डॉ. जितेंदर कुमार ने ग्राफ्तिंग के बारे में बताया ! प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दीपक नेगी तथा यशपाल द्वारा दिए गया ! इस किसान एवं बागवान भाईयों/बहिनों प्रश्नोंत्तरी काल के दौरान बढ़-चढ़ कर भाग लिया तथा अपने अनुभवों के बारे में जानकारी दी तथा इस केंद्र के वैज्ञानिकों ने प्रश्नों/समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी दी !इस मौके पर अलग अलग गावों से लगभग 10 पुरूष तथा 25 महिला किसानों ने भाग लिया ! इस कार्यक्रम में श्रीमती रेखा देवी,सचिब,**ए**फ.पी.ओ तथा श्रीमती शांता देवी, अध्यक्ष, **ए**फ.पी.ओ ने भी भाग लिया ! इस कार्यक्रम का संचालन तथा समन्वय डॉ. अरूण कुमार शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक ने किया ! अंत में योगेश कुमार, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन के तरफ से धन्यावाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ !

डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक
अध्यक्ष, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
अम्बुजा सीमेंट फाउण्डेशन
Ambuja Cement FOUNDATION
दाड़लाघाट
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, शिमला
द्वारा आयोजित
गुठलीदार पौधों का प्रशिक्षण कार्यक्रम
स्थान: IARI, Shimla
दिनांक: 25 नवम्बर, 2022

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
अम्बुजा सीमेंट फाउण्डेशन
Ambuja Cement FOUNDATION
दादलाघाट
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, शिमला
द्वारा आयोजित
गुठलीदार पौधों का प्रशिक्षण कार्यक्रम
स्थानः IARI, Shimla
दिनांकः 25 नवम्बर, 2022

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004

I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
अम्बुजा सीमेंट फाउण्डेशन
Ambuja Cement FOUNDATION
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, शिमला
द्वारा आयोजित
गुठलीदार पौधों का प्रशिक्षण कार्यक्रम
स्थान: IARI, Shimla

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
अम्बुजा सीमेंट फाउण्डेशन
Ambuja Cement FOUNDATION
दाड़लाघाट
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, शिमला
द्वारा आयोजित
गुठलीदार पौधों का प्रशिक्षण कार्यक्रम
स्थानः IARI, Shimla
दिनांकः 25 नवम्बर, 2022

क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
अम्बुजा सीमेंट फाउण्डेशन
Ambuja Cement FOUNDATION
दाड़लाघाट
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, शिमला
द्वारा आयोजित
गुठलीदार पौधों का प्रशिक्षण कार्यक्रम
स्थानः IARI, Shimla
दिनांकः 25 नवम्बर, 2022

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
Ambuja Cement FOUNDATION
गुठलीदार पौधों का प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांकः 25 नवम्बर, 2022

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केन्द्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
अम्बुजा सीमेंट फाउण्डेशन
Ambuja Cement FOUNDATION
दादलाघाट
द्वारा आयोजित
दिनांक: 25 नवम्बर, 2022

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
I.C.A.R. - INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
Regional Station, Amartara Cottage, Shimla-171004
अम्बुजा सीमेंट फाउण्डेशन

HIMACHAL TONITE
Go Beyond NEWS

- अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

- Himachal
- Shimla

अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

3 days ago admin

भा.कृ.अ.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला-171004 के बागवानी फार्म ढांड़ा पर आज दिनांक **25.11.2022** को अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन,डसेरन,भडाडीघाट, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश द्दारा **एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया !** जिसके अंतर्गत शीतोष्ण फलों के पौधों की नर्सरी तैयारी एवं लगाने के लिये वैज्ञानिक तथा तकनीकी जानकारी प्रदान की गई ! इस प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ इस केंद्र के अध्यक्ष, डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक ने डॉ. अरूण कुमार शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक तथा योगेश कुमार, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन की मौजूदगी में किया ! केंद्र के अध्यक्ष, डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक ने किसानों/बागवानों को इस प्रशिक्षण शिविर में पधारने के लिये स्वागत किया तथा इस ऋतु में लगने वाले शीतोष्ण फलों के पौधों की नर्सरी तैयार करने तथा पौधों लगाने की विधि,उनकी कांट-छांट की जानकारी किसानों/बागवानों को दी ! उन्होने इस केंद्र के शीतोषण फलों जैसे सेब, नाशपाती, आखरोट, स्ट्रबेरी, अनार, कीवी, प्लाम, खुमानी, बादाम तथा अन्य गुठलीदार फलों के पौधों को लगाने तथा प्रुनिंग, ट्रेनिंग,कटिंग तथा ग्राफ्तिंग के बारे में बताया ! उन्होंने इस प्रशिक्षण से सबको लाभ उठाने की मांग की । डॉ. अरूण कुमार शुक्ला ने क्यारियां बनाना की विधि, खाद प्रयोग करने की विधि तथा पौधों की ट्रेनिंग की विधी के बारे में किसानों/बागवानों को जानकारी दी!किसान भाईयों को शीतोषण फलों की बिमारियों से रोकथाम के तरीकों/वैज्ञानिक विधि से निपटने के बारे में जानकारी दी ! डॉ. जितेंदर कुमार ने ग्राफ्तिंग के बारे में बताया ! प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दीपक नेगी तथा यशपाल द्वारा दिए गया ! इस किसान एवं बागवान भाईयों/बहिनों प्रश्नोंत्तरी काल के दौरान बढ़-चढ़ कर भाग लिया तथा अपने अनुभवों के बारे में जानकारी दी तथा इस केंद्र के वैज्ञानिकों ने प्रश्नों/समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी दी !इस मौके पर अलग अलग गावों से लगभग 10 पुरूष तथा 25 महिला किसानों ने भाग लिया ! इस कार्यक्रम में श्रीमती रेखा देवी,सचिब,**ए**फ.पी.ओ तथा श्रीमती शांता देवी, अध्यक्ष, **ए**फ.पी.ओ ने भी भाग लिया ! इस कार्यक्रम का संचालन तथा समन्वय डॉ. अरूण कुमार शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक ने किया ! अंत में योगेश कुमार, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन के तरफ से धन्यावाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ !

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा शीतोष्ण फलों के पौधों की नर्सरी तैयारी तथा उन्हें लगाने के लिए वैज्ञानिक तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित.....

3 days ago Pahari Kheti

शिमला : पहाड़ी खेती, समाचार(25, नवम्बर)

भा.कृ.अ.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, अमरतारा कॉटेज, शिमला के बागवानी फार्म ढांड़ा पर आज अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन, डसेरन, भराडीघाट, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश द्दारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत शीतोष्ण फलों के पौधों की नर्सरी तैयारी एवं लगाने के लिए वैज्ञानिक तथा तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ केंद्र के अध्यक्ष, डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक ने डॉ. अरूण कुमार शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक तथा योगेश कुमार, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन की मौजूदगी में किया।

केंद्र के अध्यक्ष, डॉ. कल्लोल कुमार प्रामाणिक ने किसानों/बागवानों को इस प्रशिक्षण शिविर में पधारने पर स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया तथा इस ऋतु में लगने वाले शीतोष्ण

फलों के पौधों की नर्सरी तैयार करने तथा पौधों को लगाने की विधि,उनकी कांट-छांट की जानकारी किसानों/बागवानों को दी।

उन्होने इस केंद्र के शीतोषण फलों जैसे सेब, नाशपाती, आखरोट, स्ट्रबेरी, अनार, कीवी, प्लाम, खुमानी, बादाम तथा अन्य गुठलीदार फलों के पौधों को लगाने तथा प्रुनिंग, ट्रेनिंग, कटिंग व ग्राफ्तिंग के बारे में बताया । उन्होंने इस प्रशिक्षण से सबको लाभ उठाने की मांग की ।

डॉ. अरूण कुमार शुक्ला ने क्यारियां बनाने की विधि, खाद प्रयोग करने की विधि तथा पौधों की ट्रेनिंग की विधी के बारे में किसानों/बागवानों को जानकारी दी। किसान भाईयों को शीतोषण फलों की बिमारियों से रोकथाम के तरीकों/वैज्ञानिक विधि से निपटने के बारे में जानकारी दी ।

डॉ. जितेंदर कुमार ने ग्राफ्टिंग के बारे में बताया । प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दीपक नेगी तथा यशपाल द्वारा दिए गया। इस प्रशिक्षण शिविर में किसान एवं बागवान भाईयों/बहिनों ने प्रश्नोंत्तरी काल के दौरान बढ़-चढ़ कर भाग लिया तथा अपने अनुभवों के बारे में जानकारी दी तथा इस केंद्र के वैज्ञानिकों ने प्रश्नों/समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी दी ।

इस मौके पर अलग अलग गावों से लगभग 10 पुरूष तथा 25 महिला किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में श्रीमती रेखा देवी, सचिव ,एफ.पी.ओ तथा श्रीमती शांता देवी, अध्यक्ष, एफ.पी.ओ ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन तथा समन्वय डॉ. अरूण कुमार शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक ने किया।अंत में योगेश कुमार, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, अम्बूजा सीमेंट फांउडेशन की तरफ से धन्यावाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

किसानों को दी प्रूनिंग व ग्राफ्टिंग की जानकारी

अर्की, 26 नवम्बर (सुरेंद्र): अंबुजा फाऊंडेशन द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान शिमला में किसानों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 35 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने किसानों को गुठलीदार पौधों के प्रबंधन बारे जानकारी प्रदान की। भारतीय कृषि अनुसंधान के प्रमुख डा. प्रमाणिक ने बताया कि संस्थान किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए स्थापित किया है। कार्यक्रम संचालक डा. शुक्ला ने किसानों को कटिंग, प्रूनिंग व ग्राफ्टिंग के बारे में जानकारी प्रदान की। अंबुजा सीमैंट के प्रमुख मनोज जिंदल ने बताया कि हम हमेशा किसानों की आय को बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। अंबुजा फाऊंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक भूपेंद्र गांधी ने बताया कि कार्यक्रम में गांब खाता, बागा, नौनी, कांसबाला, फगवाना, राठोह, सैरवाला, पाटी व पजीणा के किसानों ने भाग लिया।

PUNJAB KESHRI: 26-11-2022